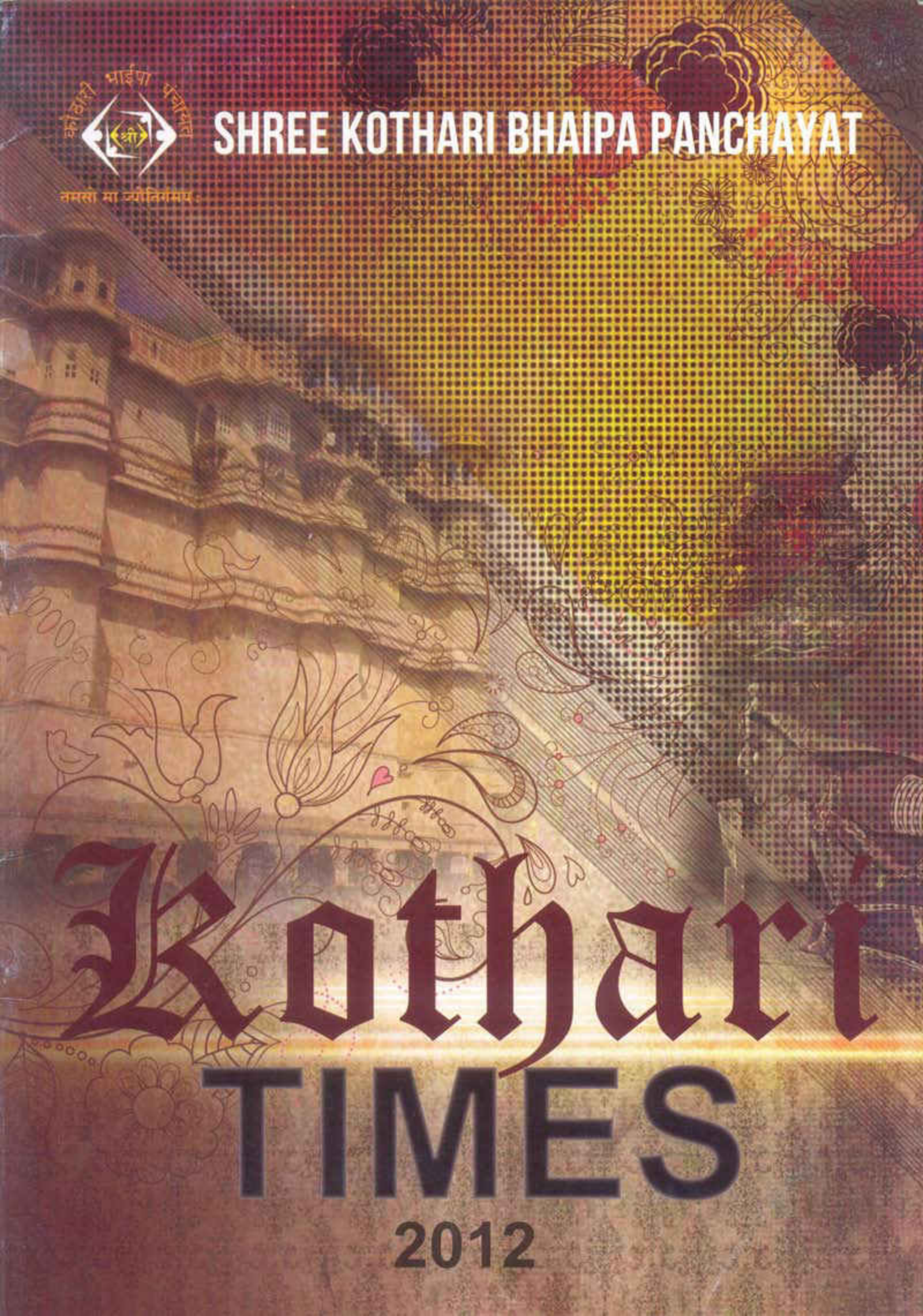

तमसो मा ज्योतिर्गमय

SHREE KOTHARI BHAIPA PANCHAYAT

Kothari TIMES

2012

HOLI 2011

IInd HOUSE
Feel Yourself at Home

14, Sardar Shankar Road, Kol-700 026
Ph: 033 24197630, 2ndhouse@xrong.co.in www.xrong.co.in/house

AGM 2011 GAME

FOOD

REGISTRATION

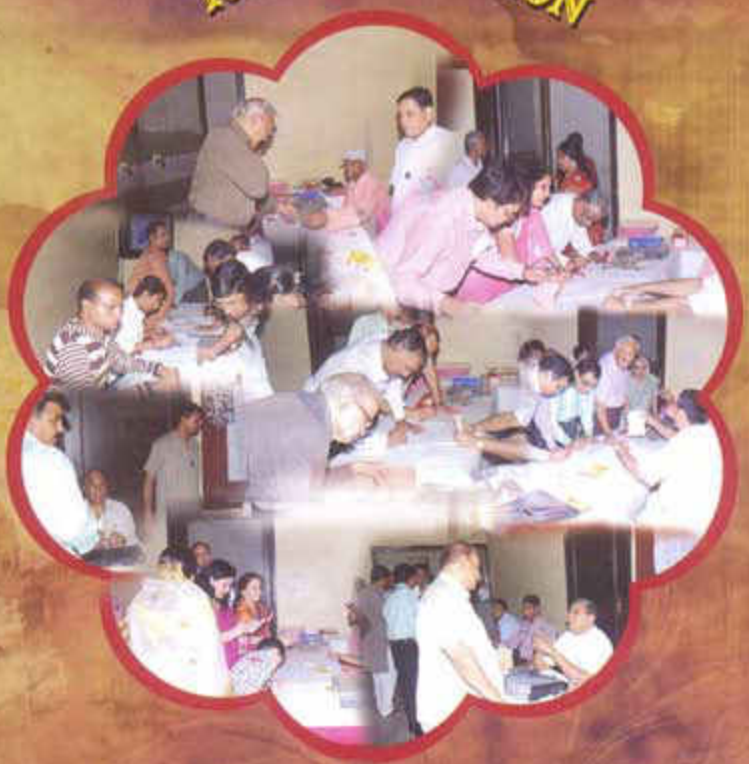

Kothari Processors Pvt. Ltd.
Sankrail industrial Park
NH-6, Dhulagori, Sankrail, Howrah - 711 313
Web. : www.kppl.info
E-mail : kothari.@kppl.info
Ph. : 033 - 2271 9310
M :98308 75775, 98306 75775

Prabhat Marketing Co. Ltd.
4, Synagouge Street, 2nd floor
Room No. 201, Kolkata - 700001
Branches : Guwhati, Tinsukia, Siliguri
Dealing with all kinds of Agrochemicals
Bio pesticide, Bio fertilizer

Premier Irrigation Adritec Pvt. Ltd.
17/1C, Alipore Road, Kolkata - 700 027
Ph. : 033-4012 1111 Fax :033- 4012 1155
E-mail : sales@pial.in
Website : www.pial.in

MEN MAKE **MEMORIES.**
LEGENDS LEAVE LEGACIES.

The sands of time flow with only a few creating kinks in it. Only some are worthy of that distinguishable mark of honour. There are those who desire greatness and recognition all their lives and it eludes them, and then, there are those for whom greatness is discernible from birth- they are who we call 'Legends'. Their actions spark revolutions and words provoke humanity because their greatness lies in the power of thought. Their deeds in life echo in eternity, their personalities stand as tall as the Colossus and inspire posterity. Time renders them evergreen and what they ultimately achieve is the stature of immortality. Legends incarnate , aspires to venerate the very vision of those who believe in their dreams so dynamically that nothing deters them- change ,criticism or conflict .They belong to any sphere, any age, any time and challenge the status quo.

We are talking about one such immortal legend of our society, Late Syt. Girdhar dasji Kothari who passed away in Aug'2011. He was one of the most famous Maheswari Kothari in last hundred years. One who created career opportunity for thousands, one who has left his indelible foot prints in several walks of life. A visionary, a Statesman, a Philanthropist, an Industrialist, an Educationist, and an immortal Icon for many. Father figure to Kothari Bhaipa & the founder of Shree Kothari Bhaipa Panchayat Trust. He was a Karmayogi as expressed in Srimad Bhagvat Gita, An astute leader.His business journey began when he was in early teens. He started building the organization in the pre independence era, steered it through the country, finally nurturing it to blossom into a conglomerate famous for high ethical standards. He established MD Kothari & Co., journeying through the incorporation & take over of many companies such as G Das & Co, Premier Suppliers Pvt. Ltd., Commercial House Pvt. Ltd, Kothari & Company, Gillanders Arbuthnot & Co., GIS industries,Albert David Ltd, Modern India Construction Company etc.

In education sector he was founder trustee of many renowned schools in Kolkata. He established two hospitals in Kolkata and Bikaner in the name of Kothari Medical Centre. He was also associated with Sangit Kala Mandir one of the premier cultural institute of Kolkata. His help to the tribals through various social organizations have been phenomenon. Beside this he has made and renovated several religious monuments in different places. His contribution to the society has been immense.He was major source of light, our visionary, our inspirator, one who after every meeting would leave us all charged up & challenged. And made the difference.The result was that we were among the first few Bhaipa Panchayats in Bikaner who have been able to settle & sell the land; and in Kolkata we are among the first to have bought such a big piece of land near New Town for our future Bhaipa endeavors followed by the residential project.

We salute the immortal legend who had inspired many with his wisdom and deed of action. When interviewed in 2009 in few words he shared his experience and a lesson for us to learn for all, irrespective age and gender.

"Taking decisions boldly is the key to success and indecision a bane." In case of a mango tree the seeds are shown by one generation and fruits are taken by another. Based on these principles only the foundations of social projects are laid by the mankind since generations.

A Legend never dies only his mortal remains perishes , his inedible marks in society makes him immortal and the society remembers him for long long time.

-Kanika Jalan Kothari & Naresh Kothari

S. R. TEXTILES SR
H.O. : 466, RAFI AHAMED KIDWAI ROAD
3RD FLOOR, KOLKATA - 700 016
(M) : 93310 05260
Email : srtextile@gmail.com
803, ADITYA AWAS, BOMBAY MARKET
SURAT - 395 010
PH. (0261) 231 0464 / 235 2035

NARSINGPORE TEA CO. (P) LTD.
33A, J. L. Nehru Road,16th floor
Suit No. 9 & 10 Kol- 700 071
Ph : 2226-1586 / 8898 / 2821
बगान की ताजी चाय के लिये सम्पर्क करें।

R.B. Textile
Hosiery goods Manufacturers
17/2A/H6, Beleghata MainRd.
KoL - 700 010
Mob : 9830088286

DAU LAL KOTHARI

संक्षिप्त परिचय

जन्म : २४ सितम्बर , १९३७ कोलकाता

शिक्षा : B.Sc, Jute Technology, Calcutta University

स्कूल : श्री डीडू माहेश्वरी पञ्चायत विद्यालय, कोलकाता

कॉलेज : सेंट जेवियर्स कॉलेज ,बंगवासी कॉलेज ऑफ जुटे टेक्नोलॉजी

विशेष : हिंदी साहित्य सम्मलेन , प्रयाग से विशारद

1. कॉलेज एवं विश्वविद्यालय की शिक्षा के पश्चात कुछ समय तक फोर्ट ग्लास्टर जूट मिल के मेंटेनेंस विभाग में अभियन्ता के रूप में कार्य करने के पश्चात् पैतृक व्यवसाय शेयर बाजार में कार्य |
2. १९७८ से १९८४ तक १५ गीतों का अनुवाद ,९ गीतों का प्रथम कार्यक्रम रविन्द्र -संगीत सम्मलेन संस्था के तत्वावधान में | उसी समय प्रख्यात अनुवादक जयकिशंजी सादानी से परिचय |
3. पश्चात् कई छोटे कार्यक्रम,१९८६ में रबीन्द्र की १२५ वीं जन्म-जयंती पर हिन्दी दिवस के अवसर पर रबीन्द्र सदन में कार्यक्रम,संचालक नीलमणि राठी |
4. इससे बात फैलने लगी ,आनंद बाजार ने लिखा " अनुवादेर आग्नि परीक्षाय उत्तीर्ण " | देश पत्रिका ने लिखा " हय तो रबिन्द्र-संगीतकार भविष्यत एइभावेई रचित हबे " |
5. फिर कोलकाता एवं बाहर श्री नीलमणि के साथ कई यादगार कार्यक्रम हुए जिसमें-टैगोर सोसाइटी १९८८, प्राख्यात गायक हेमंत कुमार के साथ १९८९ में ,लन्दन के भारतीय विद्या भवन एवं Ilford Hindu Centre में १९९१ |
6. बाहरी कार्यक्रमों की अधिकता के चलते नीलमणि से स्वतन्त्र कार्यक्रम होने लगे,उसी में रबिन्द्र परिषद और लायंस क्लब जहां निखिल भारत बंग सम्मलेन का प्रतिष्ठित अखिल भारत सम्मान |
7. २००१ दिसम्बर में टाईम्स ऑफ इंडिया के अखिल भारतीय रविवारीयअंक में फोटो सहित साक्षात्कार छपा जिसे देखकर मुंबई के श्री शरद सकलेचा ने अपनी मध्य -प्रदेश स्थित स्कूल में बुलाया और फिर मुंबई में Song Club के अन्तर्गत कार्यक्रम कराया |
8. इस बीच १९८६ में स्थापित रबीन्द्र सुधा संस्था भी आगे बढ़ी | २००२ में इनकी प्रथम पुस्तक रबिन्द्र-संगीत सुधा प्रथम भाग प्रकाशित हुई | इसके पश्चात् २००३ में दूसरा भाग और दोनों के शेष होने पर २००६ में दोनों को मिला कर सजिल्द रबिन्द्र संगीत सुधा प्रकाशित हुई | इसके भी शेष होने पर २०१० में फिर ४५ गीतों को लेकर रबिन्द्र संगीतिका के नाम से एक पुस्तक प्रकाशित हुई एवं इस वर्ष(२०१२) में रविन्द्र संगीत सुधा का तीसरा समग्र संस्करण सुप्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय ने प्रकाशित किया |
9. जिन विशिष्ट स्थानों पर कोठारी जी के हिंदी रबिन्द्र -संगीत कार्यक्रम हुए हैं उनमे से कुछ इस प्रकार हैं -

   कोलकाता में :*रबिन्द्र संगीत सम्मलेन, रामाश्रम सत्संग ,रबिन्द्र भारती सोसाइटी ,रबिन्द्र सदन ,प्रेम मंदिर आश्रम , भारतीय भाषा परिषद ,भारतीय सांस्कृतिक संसद , फेडरेशन हॉल सोसाइटी ,अर्चना ,सारथी, राजश्री स्मृति न्यास, Rotary Club Of India,Mahajati Sadan,Hindustan Paper Corporation, विष्णुकांत शास्त्री संगीत श्रधांजलि , D.G.S.& D, विचित्रिता, बंगाल रोइंग क्लब, विश्व हिंदू परिषद, D.V.C Power Corporation, आयकर विभाग, अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला मंडल* और कई अन्य स्थान जैसे -लन्दन, मुंबई, अहमेदाबाद,राजस्थान,वाराणसी,निखिल भारत बंग साहित्य सम्मलेन,विश्वविद्यालयों में एवं न्यूयोर्क में : ८वें विश्व हिंदी सम्मलेन में भागीदारी, २००७ |

SHREE SHIV COMPANY
Govind Lal Kothari
P-4, New Howrah Bridge
Approach Road
Nandaram Market, 3rd Floor
Kol- 700 001 Ph.- 22698604

Raju Enterprises
House of Electrical Goods
7 Pollock Street,
Ground Flr. Kolkata - 700 001
Ph:- 9830043465

H.P. TEXTILE
11/1, Latafat Hossain Lane
Kolkata - 700 085
Ph :- 98303 52659

बालकृष्ण जी कोठारी "नारायण"

कवित्व और कृतित्व

बालकृष्ण जी कोठारी "नारायण" का जन्म ४ अक्टूबर १९२८ में हुआ | पिता का नाम विश्वेश्वर दास कोठारी तथा माता का नाम धापी देवी था | जन्म के लगभग ढाई वर्ष बाद ही इनके पिता की मृत्यु हो गई |पिता जी की मृत्यु के कारण पारिवारिक स्थिति बिगड़ती चली गई | इनकी माँ ने घोर कष्टपूर्ण परिस्थितियों में इनका लालन पालन किया | इनकी शिक्षारंभ भी विलम्ब से हुई |

" नारायण जी " ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा श्री डीडू माहेश्वरी विधालय से प्राप्त की | वहाँ से उन्होंने तीसरी कक्षा उत्तीर्ण की परन्तु दुसरे विश्व युद्ध की विभिषिका के कारण वे अपने माता जी के साथ हरिद्वार चले गए | वहाँ पर वे रामानुज कोट नामक आश्रम में रहने लगे और निरंतर साधु संतो तथा साहित्यकारों से उनका संपर्क रहा और वे स्वाध्याय में संलग्न रहे | डीडू माहेश्वरी के बाद वे किसी भी विद्यालय में औपचारिक रूप से शिक्षा प्राप्त न कर सके बल्कि आप स्वयं अध्ययन करते रहे | लगभग १४ वर्ष की आयु में उन्होंने तुक बंदिया करनी चालू कर दी थी | करीब २०-२२ वर्ष की आयु में उन्होंने ४ पुस्तकों का लेखन किया | वह है "आऊंगी तो अपनाओगे", " मधुरस मेरा तुम लूट चुके " , " तू समर्थ सब भाँती साँवरी ", और " वह चली गई मैं मारा नहीं " |

लगभग १९५६-१९५७ के बीच में उन्होंने " वैश्या " नामक पुस्तक का लेखन किया | नाम ऐसा था की छपवाने की हिम्मत नहीं हुई तथा सामाजिक दबावों के कारण से वह इसे तब छपवा भी न सके | सन् १९५८ में " नारायण जी " ने अपनी इस पुस्तक को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी के चरणों में समर्पित किया तथा उनसे उन्हें बहुत आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ | इसके अलावा आपको बंगाल के कानून मंत्री ईश्वरनाथ जी जालान से भी बहुत स्नेह प्राप्त हुआ और उन्हें उनकी कविताएँ बहुत अच्छी लगी | अपनी इस पुस्तक को उन्होंने सभी बड़े साहित्यकारों को भेजा | जिन्होंने इस पुस्तक की भरपूर सराहना की |

डॉ शिवमंगल सिंह सुमन ने कहा - " आपकी संवेदना सराहनीय है | आपकी कलम की नोक में एक चुभन है जो प्रमादी को आराम की नींद नहीं सोने देगी और तथाकथित सुधारको की शेर की खाल उधेड़ देगी |"

श्री हरिवंश राय बच्चन ने कहा -"भाषा और पद्द पर आपका परिपूर्ण अधिकार है | विशेष कर मैं आपकी " रन आउट " लाइनों से प्रभावित हुआ | काश की आप अपनी भाषा का उपयोग पद्द नाटक के लिए कर सके |"

महापंडित राहुल संकृत्यायन ने कहा - " नई दिशा में इस सुन्दर कृति की रचना करके आपने बहुत बड़ा स्तुत्य कार्य किया है |"

" नारायण जी " ने ये पुस्तक लिखकर बड़े साहस का कार्य किया फिर उसका " वैश्या " शीर्षक चुनना स्वयं ही चुनौतीपूर्ण कार्य था | वह भी उस समय जब समाज का बड़ा तबका रुढिवादी था | उस वक्त के यह पहले जीवित कवि थे जिनकी पुस्तक की एक लाख प्रतियाँ छपी | उन्होंने " वैश्या " पुस्तक समाज के उस वर्ग की पीड़ा का वर्णन किया है जिसे समाज हमेशा नज़र अंदाज़ करता रहा है | " नारायण जी " की सारी कविताओं में नायिका के रूप में नारी स्वयं अपने आत्मव्यथा व्यक्त करती है जिसमे पग -पग पर उसकी करुणा है , वेदना है , रुदन है एवं मर्म है |

n.g.brothers
n.g.trexim pvt. ltd
29b, rabindra sarani,
3rd Floor, rm # 1e, Kol- 700 073
Ph.- 033 22351410

SHREE KRISHNA
COMMERCIAL CORPN.
29, Strand Road,
Kolkata - 700 001
Ph.- 2243 9371

Gopal Das Raj Kumar
TEXTILE MERCHANTS
Raj Kr. Kothari 9830160261
Ramesh Kothari 9331062780
14, Noormal Lohia Lane,
4th Floor, Kolkata - 700 007
E : gopaldasrajkumar@gmail.com

50 वर्ष पहले शीर्षस्थ साहित्यकारों द्वारा शतशः सराहा गया यह कवि इसके बाद के 50 वर्ष से अधिक का समय अज्ञातवास की जिन्दगी गुजारता रहा | अर्थाभाव, पारिवारिक कारण एवं जीवीका उपार्जन के साधन में लिप्त होने के कारण इनका लिखना बंद हो गया पर जब भी इन्हें मौका मिलता वे स्वाध्याय करते रहे और समय मिलने पर 16 से 18 घंटे अध्ययन करते, जिसमें विभिन्न धर्मों एवं विद्वानों की लिखी हुई कृतियों का अध्ययन किया | इसलिए उन्हें सनातन धर्म के अलावा अन्य धर्मों के ग्रंथों में लिखित बातों का भी पूर्ण ज्ञान है जिसकी छाप हमे उनकी कविताओं में मिलती है | आज भी उनकी निजी पुस्तालय में हजारों पुस्तके हैं |

साहित्य के अलावा आपने विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में भी गहन अध्ययन किया | आपकी आर्युवेद, होमियोपैथी, यूनानी एवं मनोवैज्ञानिक चिकित्सा में भी काफी अच्छी पैठ थी | चिकित्सा का ज्ञान होने के कारण लोगों के आग्रह पर बहुत से लोगों का निशुल्क इलाज किया जिससे उन्हे लाभ हुआ | आध्यात्मिक प्रबलता के कारण आपने लोगों की टेलिपेथी द्वारा भी चिकित्सा की, जिसे देखकर कई बार डॉक्टर तक चकित रह गए | आयकर का अच्छा ज्ञान होने के कारण, वे आयकर परामर्शदाता के रूप से भी जाने जाते थे | बहुमुखी प्रतिभा से सम्पन्न बालकृष्ण जी कोठारी " नारायण " को अपने इन कार्यों के लिए अनेक मानद उपाधियों प्राप्त हुई | व्यापार करने के साथ-साथ इन्होंने 1600 पेज की पुस्तक उपनिषद रहस्य का अनुवाद एवं सम्पादन किया | साधना और योग में प्रवृतिवश आपने जीवन में कई बार कठोर व्रत किया और वर्षो तक उसका पालन किया |

2004 में इनकी दो कविताओं "वेश्या" एवं "तू समर्थ सब भाँती साँवरी" का पंजाबी में अनुवाद पंजाब के वरिष्ट साहित्यकार डॉ. भगवंत सिंह जी ने किया तत्पश्चात इनकी कविता का पंजाबी भाषा में बहुत प्रचार और प्रसार हुआ | "जागो इंटरनेश्नल" जो कनाडा और भारत में स्थित है ने इनकी उपर्युक्त कविताओं पर विशेशांक जारी किया जिसमे विभिन्न हस्तियों ने इनकी काव्य की समीक्षा की है | कुछ वर्ष पहले एक विशेष कार्यक्रम में इनकी पुस्तकों की भेंट तत्कालिन मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को किया गया |

कहा जाता है कि "जायसी" के बाद पिछले 500 वर्षों में प्रछन्न सूफी शैली में लिखे जाने वाले बालकृष्ण जी कोठारी 'नारायण' के खंड काव्य का अध्यात्मिक भाव भी है | वर्ण समस्या पर आधारित इनकी कविता "शोणित तर्पण" हाल ही में प्रकाशित हुई है|

आपकी रचनाएँ समाज और राष्ट्र के लिए अनुपम थाती है | हम सबको आप पर गर्व है |

--- अमित नारायण एवं नरेश कोठारी

Kothari
LUXURY UNDERGARMENTS
Kothari Hosiery Factory Pvt.Ltd
29, Strand Road, Kolkata - 700 001
West Bengal, INDIA
Ph.- 22439371-75

Gillanders Arbuthnot & Co.
C4, Gillander House, Netaji Subhas Road,
Kolkata - 700 001 Ph. 2230 2331 (6Lines)
2242 8070/8072, 2242 9140(3 Lines),
3022-4470(4 Lines) Fax : 2230 4185
E-mail : gillander@cal3.vsnl.net.in

ARC Finance Limited
3UG Mani Towers,31/41 Binova Bhave,
RoadKolkata - 700 038. India
Telefax (91 - 33) 24989646 - 47
Email : avkcal@gmail.com

A VOCATION DRIVEN BY ASPIRATION

We often hear success stories of many people from different parts of the world and wonder what had he done differently to achieve the heights. But often we fail to notice success stories among of our yound brothers brothers and how well they have carried forward their professional responsibilities and achieved newer heights inspiring and have made difference . One such person is Mr. Sanjeev Kothari , who has paved his way to pinnacle in a short period of time, by taking risks, thinking "out of the box" and applying unconventional ways to his endeavor.

Son of Sri Ram Gopal Kothari and Smt. Sarla Devi Kothari, Sanjeev always tried to make his own identity by moving away from the conventional areas of business. After completing his graduation in 2001, he chose to start his business in Education Industry, which was at its nascent stage at that time, this smart move and eccentric strategy helped in his favour by and large.

He had set the sky as limit and set his goal on an unexplored area to grow. Though the task was not easy, but he was not willing to step into though neither father's experience nor his peers could be any help to him as this industry was alien to them. So, it was important to gauge the market before putting too mucn at stake.

Therefore, he became a franchisee of ICA. The midas touch of his entrepreneurship transformed the center into one of the best performing centers. This story of growth continued for 4 years after which he decided to start something large-scale of his own.

"I was thrilled to see the success. Also, I could sense the tremendous growth that is about to come in the Education Industry. It was the industry to grow with. I knew the dangers that lie along the way. But, I was sure that quality would triumph. Luckily, I got Manish (Agarwal) with me and together we initiated the journey of Orion Edutech" said Sanjeev .

Adversities were there right from the inception. Everyday was a learning process.When Orion was launched, there were some big players and the industry was not large enough to allow free growth for everybody. But, overcoming the obstacles and paving their way through constant determination and perseverance they pioneered with unconventional modes and audio-visual training tuning in with industry specific modules.

At first, Orion had only one center at Barasat – a suburb of Kolkata. Now, it has more than 175 centers spread across India. Orion has also stepped outside India to open a center in Bangladesh and more overseas centers are in the pipeline. It has placement tie up with 130+ major companies like Wipro, Infosys, IBM, etc.

At the early stage, Orion used to give training for call centers. Then, it came up with comprehensive courses for IT and ITeS industry. In addition to these now Orion offers job-oriented courses for Retail, Finance and Accounting, Hardware & Networking, and other industries. They molded themselves with changing trends and market demands and thus growing with the industry.

Today, Orion is the proud recipient of the "Best Vocational Training Institute" by Indian Education Awards in association with knowledge partner KPMG. Sanjeev says that I am happy that the hard work has paid but what makes me a happier soul is, that by god's grace I have been fortunate to create jobs for more than 60,000 candidates ."

-Kanika Jalan Kothari

SAAKSHI
SILVER & FASHION JEWELLERY
CITY CENTRE, CITY CENTRE-II
METRO SHOPPING CENTRE
SOUTH CITY MALL, AVANI MALL
KOLKATA
MOBILE : 98747 48787

SHREE KOTHARI HOSIERY
203/1 M. G. ROAD
KOL- 700 007
PH.- 2269 5555

SHREEJI
CHEMISTS & DRUGGISTS
20A, Sarat Bose Road
Kol- 700 020 Ph - 9830086090

प्रतिभा सम्मान '11

तीज महोत्सव '11

Prism Knit Fab (P) Ltd
Office :
8, Ashutosh Mukherji Road
Kolkata - 700 020, Ph: 24554674
Factory :
103/24/1,Foreshore Road, Hwh -2
Ph:- 32910862,26412739

Shree Krishna Sales
Corporation
House of electrical goods
7,Pollock Street, Groundfloor
Kol- 700 001 Ph.- 22358000

Sanjay Kothari
team united
We Serve With Care
Courier/Cargo/Logistics
13, Royd Street, Kol- 700 016
Mob: 98300 42038
E-mail:skothari@teamunited.net

REPORT ON KOTHARI BHAIPA (P) LTD RESIDENTIAL PLOT PROJECT BEHIND THE EXISTING LAND OF SHREE KOTHARI BHAIPA PANCHAYAT TRUST AT SHIKHARPUR, OPP VEDIC VILLAGE VILLAGE NEAR NEWTOWN KOLKATA

SUMMARY OF TURN OF EVENTS

S.No	Year	Incidents
1	2008	In AGM of SKBP it was requested to buy land & promote it behind the SKBP Trust for the community living & the profit if any will be go to the trust.
2	May'08	EOI was issued 73 applied along with the cheque of Rs. 11000/ to SKBPT
3	Nov '08	Economic down-turn hits the market before depositing the cheque we call a meeting of all the applicants at Rotary Sadan and informed them about the modalities of the project and also informed them that the entire sale will be at cost. The profit of SKBPT will be fixed at Rs. 50000.There after 22 people withdrew.
4	Nov '08	Ultimately 51 people who have applied for 241 cottahs continued with us. We deposited the cheques of Rs. 11000 in the bank and the same is lying as FD in account of SKBPT currently.
5	June'09	Fiasco at the Vedic Village took place. Govt. started scrutinizing land deals. We covered the existing land of the SKBPT boundary and deferred the residential project.
6	2010	The panchayat election is over and the local body controlled by new political party. Political dusts at the Vedic Village settle down.
7	2011	We start reconsidering the pending project and getting in touch with land broker and also took legal advice for the project.
8	April'11	On 1st, April, 2011 meeting was held of Shree Kothari Bhaipa Panchayat Trust in which the current status of the proposed project was informed, the concept paper was presented with 3.65 lacs being the current tentative cost per cottah . Sources of funds, expectation for support system from trustees and risk factor was also discussed. **Thereafter it was decided to communicate with the applicants once again and to get reconfirmation from them stating the current projected price of 3.65 lacs per cottah and to make request to them to visit the site and SKBPT were to make arrangement for their site visit and same was also to be informed to our members during the AGM of Shree Kothari Bhaipa Panchayat (SKBP). And all the applicants to be informed about different pros and cons of such project over phone and also by presentation in the AGM of SKBP. It was also resolved that in case the responses were encouraging we should not waste further time and should go ahead with the project and form a separate company (SPV) and should ask the applicants to disburse further funds in that company only and procurement of land should be done in that company.**
9	June' 11	The response was encouraging so after refunding EOI amount to small number of uninterested applicants , we started planning to go ahead with the project

Bihani Impex (P) Ltd
A- 520, Bagree Market
71, Canning Street,
Kol- 700 001
Tel : 2235-9362
Fax- 2215-8502

MBA Steels (Pvt. Ltd)
37/E Cossipore Road
Kolkata - 700 002
Phone.- 99036 83936

Kontakt Express Pvt. Ltd.
6/1,Burtolla Street,
Burrabazar
Kolkata - 700 007
Ph.- 9830038432

<table>
<tr><td>10</td><td>Sept '11</td><td>Kothari Bhaipa Private Limited Company was formed on 1st Sept, 2011. The Bank account was opened .Thereafter letter was issued to the applicants on 28th Sept, 2011, in which it was requested to pay 1 Lac per cottah by 20th Oct, 2011 and 1.25 Lacs per cottah by 20th Dec, 2011.
<table>
<tr><th>No. of Applicants</th><th>Plot Size (In Cottahs)</th><th>Total No. of Cottahs</th></tr>
<tr><td>5</td><td>3</td><td>15</td></tr>
<tr><td>2</td><td>4</td><td>8</td></tr>
<tr><td>15</td><td>5</td><td>75</td></tr>
<tr><td>1</td><td>6</td><td>6</td></tr>
<tr><td>9</td><td>7</td><td>63</td></tr>
<tr><td>32</td><td></td><td>167</td></tr>
</table>
The 1st Installment has been received from all and the Second installment has been also received from many.</td></tr>
<tr><td>11</td><td>Jan' 12</td><td>stration of some land has been completed And others are in progressa.</td></tr>
<tr><td>12</td><td>Mar'12</td><td>In the meeting in March 2012 it is decided that since we have not taken any fresh application after 2008., considering the request for such plots now we may open a Second Phase for taking new applications for which modalities may be decided shortly</td></tr>
</table>

VALUES

1. A Student who has failed in his Exam realises the Value of one year.
2. A Mother who has given Birth to a Premature Baby realise the Value of one month.
3. A weekly Editor realise the Value of on week.
4. A daily wage Labour realise the Value of one day.
5. A person who is waiting to meet his Friend realise the Value of one hour.
6. A person who has missed the Train realise the Value of one minute
7. A person who has Survived on accident realise the Value of one second.
8. A person who has Won the Silver Medal in Olympics realise the Value of one mili second.

With Best Wishes :
Amber Chatterjee
Mobile : 93304 80968
Howrah

DELTA CHEMICALS
22F, Lock Gate Road,
Kolkata - 700 002
Ph :- 9830 905824

With Best Wishes :
DILIP BAR
MAA TARA DEVELOPER

महापुरुष के अनमोल वचन

भारत की विश्रृंखल आध्यात्मिक शक्तियों के एकीकरण, जिनके स्पंदन से एक ही आध्यात्किक लय झंकृत हो रही है। - **स्वामी विवेकानन्द**

संसार सागर में यह माया सूखी हड्डीयों का बड़ा-सा समूह है और विषयी अज्ञानी जीव सियार का रुप है। जीवनभर उसे अपनी ओर खींचते-खींचते वे यूं ही मर जाते हैं अर्थात् इस माया के चक्कर में पड़े हुए जीव जीवनपर्यंत दुख पाते हे मर जाते हैं। - **संत कबीर**

तुम्हें अपने अस्तित्व पर संदेह नहीं करना चाहिए। मध्य केवल उसी का ही होता है, जिसका पूर्व और अंत हो। संसार के एक परमाणु का भी अपना अस्तित्व होता है। तब मनुष्य का कैसे नहीं होगा? मनुष्य का अस्तित्व तो उस लौ की तरह है, जो जलती रहती है, जल रही है और जलती रहेगी। इसे अस्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। - **भगवान महावीर**

स्थूल भाव से समाधि दो प्रकार की होती है। ज्ञान मार्ग से विचार करते करते अहंकार का नाश होजाने पर जो समाधि होती है, उसे निर्विकल्प समाधि कहते हैं। भक्ति मार्ग की समाधि को भाव समाधि कहते हैं। - **स्वामी रामकृष्ण परमहंस।**

मनुष्य जहाँ-जहाँ से पृथक होता जाता है, वहाँ-वहाँ से उसे संग दोष से मुक्ति मिलती जाती है। इस प्रकार यदि वह सब विषयों को पूरी तरह त्याग दे, तो भी उसे लेशमात्र दुख का अनुभव नही होता। - **महात्मा विदुर**

जो आदमी अपनी प्रशंसा के भूखे होते हैं, वे साबित करते हैं कि उसमें योग्यता नहीं है। जिनमें योग्यता होती है, उनका ध्यान उदर नहीं जाता। - **महात्मा गाँधी**

इन्तजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वालों से बच जाता है। - **डॉ० अब्दुल कलाम आजाद**

देखो, बंधुत्व की भावना से सम्मिलित होकर एक सूत्र में बंधकर रहने में कितनी कामयाबी और आनंद है। - **बाईबिल**

सामाजिक न्याय के बिना स्वतत्रंता अधूरी है। - **अटल बिहारी वाजपेयी**

जहां महिलाओं का सम्मान होता है, वहा देवता भी वास करते है। - **मनु संहिता**

नारी में सरस्वती होती है, नारी में लक्षी भी होती है और नारी में ही दुर्गा होती है। - **मार्कण्डेय पुराण**

पहली शादी सामाजिक दायित्व है, दूसरी मूर्खता और तीसरी पागलपन। - **डॉ राजेन्द्र प्रसाद, प्रथम राष्ट्रपति**

एक सामान्य गृहणी भी अपने गर-परिवार की देखभाल करते हुए, बच्चों को सुसंस्कारित करते हुए समाज को एक बड़ा योगदान देती है।
- डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

Assam Tea
PREMIUM QUALITY PRODUCTS
Rich in Flavour
Rich in Taste
Rich in Strong
For Quality People
KOTHARI TEA ENTERPRISES

Rashmi Kothari C/o Daulal Kothari
9830165180, 9830038216
P- 10 Devendra Dutta Lane
3rd Floor, Kolkata - 700 007
Near Kalakar Post Office
Email rashmiikothari@gmail.com
kotharidau@gmail.com
YOUR TOUR & TRAVEL PARTNER

SUPER QUALITY 5 STAR
FIVE STAR BRAND
PANCHRATAN
SPECIALLY FOR : Ekadasi
Rajgara Atta
Singoda Atta
Kuttu Atta
Mooriya (bhagar)
KOTHARI TEA ENTERPRISES
PANCHRATAN

Anand Kothari
M.B.A (Mktg.)
Electrical Engineering & Project Co.
Electrifying Perfection

RDB Textiles Limited
(Unit :VICTORIA JUTE MILL)
PUSHKARNARAYAN TOSHNIWAL
CHARITABLE TRUST
302, Vaishno Chambers
6, Brabourne Road Kol - 700 001

मथुरादास
ललित
कोठारी
PERFECTO ELECTRICALS
" Trust House "
32A, Chittaranjan Avenue
Kolkata - 700 012